मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में आज कोल जनजातीय सम्मेलन का आयोजन

आज शहडोल प्रवास पर रहेंगे मुख्यमंत्री, विकास कार्य का करेंगे लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 9 जून को जिले के प्रवास पर रहेंगे, इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ब्यौहारी में आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर समाज के उत्थान और विकास को लेकर अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराएंगे, कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारिया अंतिम चरण में हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में भगवान बिरसा मुंडा के पुण्यतिथि पर कोल जनजातीय सम्मेलन का आयोजन 9 जून 2025 को सिविल अस्पताल के पीछे ब्यौहारी में आयोजित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी राजेंद्र शुक्ला करेंगे।

समाज के लोगों से करेंगे संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रातः 11:40 बजे भोपाल के स्टेट हेंगर से प्रस्थान करेंगे और 12:20 बजे नरसिंहपुर जिले के गाडरवाड़ा पहुँचेंगे, जहाँ वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके बाद वे मध्यान्ह 2:15 बजे गाडरवाड़ा से रवाना होकर अपरान्ह 3:30 बजे जिले के ब्यौहारी हैलीपैड पर उतरेंगे, ब्यौहारी पहुँचने के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव सीधे सिविल अस्पताल परिसर के पास आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में पहुंचेंगे, सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जनजातीय समाज के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ किए जाने की संभावना है। इस मौके पर मुख्यमंत्री समाज के लोगों से सीधा संवाद भी करेंगे और उनकी समस्याओं व मांगों को सुनेंगे, सम्मेलन में बड़ी संख्या में कोल समाज के प्रतिनिधियों,

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के मौजूद रहने की संभावना है। कार्यक्रम उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शाम 5:45 बजे ब्यौहारी से रीवा एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे और 6:10 बजे रीवा से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ब्यौहारी में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में लगभग 80 करोड़ रूपये की लागत से 55 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण तथा लगभग 250 करोड़ रूपये की लागत से 52 विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। जिन विकास कार्यों का लोकार्पण किया जाना है उनमें लोक निर्माण विभाग भवन संनिर्माण के 31.45 करोड़ रूपये की लागत से 6 कार्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 22.64 करोड़ रुपए की लागत से 33 कार्य, मध्यप्रदेश पुलिस हॉउसिग बोर्ड कॉरपोरेशन का 10 करोड रुपए की लागत का 1 कार्य, मध्यप्रदेश ग्रामीण सडक़ विकास प्राधिकरण के 6 करोड़ रुपए की लागत से 10 कार्य, लोक निर्माण विभाग सेतु हेतु 4.75 करोड़ रुपए की लागत से 1 कार्य, जनजातीय कार्य विभाग के 2.75 करोड़ रुपए की लागत का 1 कार्य, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का 1.47 करोड़ रुपए की लागत से 3 कार्य एवं अन्य कार्य शामिल है। लोक निर्माण विभाग भवन संनिर्माण का 121.92 करोड़ रुपए की लागत से 15 कार्य, मध्यप्रदेश भवन विकास निगम का 94.49 करोड़ रुपए की लागत से 5 कार्य, मध्यप्रदेश ग्रामीण सडक़ विकास प्राधिकरण का 9.17 करोड़ रुपए की लागत से 8 कार्य, लोक निर्माण विभाग (भवन) का 7.69 करोड़ रुपए की लागत से 6 कार्य, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा का 7.06 करोड रुपए की लागत से 16 कार्य कार्य, लोक निर्माण विभाग (सेतु) का 3.29 करोड़ रुपए की लागत से 1 कार्य एवं मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड कार्पोरेशन का 0.47 करोड़ रुपए के 1 कार्य एवं अन्य कार्य शामिल है।

ये रहेंगे मौजूद

जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री कुंवर विजय शाह की विशिष्ट आतिथ्य तथा संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, सीधी संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, राज्य स्तरीय जनजाति कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल, विधायक जैतपुर विधानसभा क्षेत्र जयसिंह मरावी, विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र श्रीमती मनीषा सिंह तथा विधायक विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी शरद कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष रीवा श्रीमती नीता कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष सतना रामलेखावन कोल, जिला पंचायत अध्यक्ष जबलपुर श्रीमती आशा मुकेश गौटिया, पूर्व अध्यक्ष कोल विकास प्राधिकरण ब्रजलाल कोल सहित जनजातीय समाज के जनपद अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, नगर परिषद अध्यक्ष, समाजसेवी की गरिमामय की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

विभागों में गठित होगी आंतरिक परिवार समिति अन्यथा 50 हजार रूपये का जुर्माना

शहडोल। प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास अखिलेश मिश्रा ने बताया कि महिलाओं का लैंगिक उत्पीडन प्रतिषेध अधिनियम 2013 के तहत सभी शासकीय, अशासकीय कार्यालय में आंतरिक परिवार समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है ,जहां भी 10 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी कार्यरत है। उन्होंने बताया कि आंतरिक परिवार समिति का गठन नहीं होने पर 50 हजार रूपये का तक जुर्माने का प्रावधान है। समिति जिला, ब्लॉक या सभी अधीनस्थ कार्यालयों में भी गठित कराया जाना है। आंतरिक समिति की जानकारी एक सप्ताह के भीतर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें।

जिले में आयोजित किए जा रहे कृषि शिविर

शहडोल। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में कृषि विभाग तथा सहयोगी विभागों कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी तथा मत्स्यपालन विभाग के अमले द्वारा जिले के जनपद पंचायत जयसिंनगर के विभिन्न ग्रामों में कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 09 जून 2025 को जयसिंहनगर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ.दीपक चौहान के मार्गदर्शन में ग्राम देवरी, पोड़ी, मीठी, ठेंगरहा, बनसुकली, लपरी, मसीरा, आमडीह, नवाटोला में कृषि शिविर आयोजित किए जाएंगे।

ग्रामों में कृषि शिविरों का किया गया आयोजन

शहडोल। खरीफ फसल के पूर्व किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत नवीन एवं उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने हेतु जिले में 29 मई से 12 जून तक कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जयसिंहनगर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ दीपक चौहान के मार्गदर्शन में करकी, सीधी, पोड़ी कला, छूढ़ा, भर्री, हिडवाह,सेमरा, पथरवार तथा बसही में कृषि शिविरो का आयोजन कर कृषि संबंधी जानकारी दी गई तथा किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिवर में किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी गई। खेती की उन्नत तकनीक, फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण के संबंध में भी किसानों को जानकारी दी गई।

जिले में आयोजित किए जा रहे कृषि शिविर

शहडोल। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में कृषि विभाग तथा सहयोगी विभागों कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी तथा मत्स्यपालन विभाग के अमले द्वारा बुढ़ार, सोहागपुर तथा गोहपारू जनपद पंचायतों के तीन-तीन ग्रामों में कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत 07 जून 2025 को जयसिंहनगर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ दीपक चौहान के मार्गदर्शन में ढोलर, कुबरा, बरकछ, कौआसरई, झारा, बराछ, टेटका, अमझोर, तथा सन्नौसी में कृषि शिविर आयोजित किए जाएंगे।

अवैध खनिज चोरी करते दो वाहन पकड़ाये

शहडोल। पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध गतिविधियों मे संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही का निर्देश अधीनस्थ स्टाफ को दिया जा रहा है, उसी क्रम में पुलिस को अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वाले 02 ट्रेक्टर मय रेत लोड ट्राली के जप्त की गई।

पशु चिकित्सालय में लटका रहता है ताला

इलाज के अभाव में मर रहे मवेशी, लोग हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज, शहडोल।

जिले से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित पशु चिकित्सालय खन्नौधी में अनियमितता व्याप्त हो गई है। यहां आए दिन चिकित्सालय पर ताला लटकता रहता है, गांवों में भी मवेशियों के बीमार होने पर डाक्टरों का समय पर न पहुंचना गंभीर बात मानी जा रही है बताया जा रहा है आसपास के ग्रामीण जनों द्वारा अपने पशुओं का इलाज के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है डॉक्टर साहब की मनमानी का शिकार आसपास की आम जनता को भुगतना पड़ रहा है क्योंकि गर्मी के मौसम में पशु आए दिन बीमार पढ़ते रहते हैं इसके इलाज के लिए पशु अस्पताल तो लोग आते हैं लेकिन वहां डॉक्टर ना रहने के कारण लोगों को निराशा ही हाथ आती है क्योंकि पशु अस्पताल में आएदिन ताला लगा रहता है। जिसके कारण गांव में चिकित्सा के अभाव में मवेशियो दम तोड़ रहे हैं।

भटक रहे पशु मालिक

खन्नौधी ही नहीं उसके आसपास के कई ग्रामीण अपने गाय भैंस बकरी आदि को लेकर उनका उपचार के लिए पशु अस्पताल आते हैं जहां पर यह पाते हैं कि पशु अस्पताल में आए दिन ताला लटकता रहता है जिससे आ रहे ग्रामीण जनों को उनके मवेशियों का उपचार नहीं मिलने के कारण आए दिन लगातार मवेशियों की मृत्यु दर बढ़ती ही जा रही है क्योंकि डॉक्टर होने के बावजूद भी डॉक्टर अपने ड्यूटी टाइम पर शायद ही कभी मिले ,टाइम पर अस्पताल नहीं आते और आए दिन अस्पताल बंद रहता है ग्रामीणों ने कई बार डॉक्टर से इस बात की शिकायत की गई लेकिन उसके बावजूद भी डॉक्टर को कोई फर्क नहीं पड़ा है क्योंकि उन्हें अपने हिसाब से आना हैं और अपने हिसाब से जाना, गर्मी के मौसम में लगातार मवेशियों बीमार पड़ते रहते हैं और उन्हें उपयुक्त उपचार नहीं मिलने के कारण पशुओं की मृत्यु आए दिन हो रही हैं आखिर इसका जिम्मेदार यहां पदस्थ डॉक्टर नहीं तो कौन है ? क्योंकि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा पशुओं को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं लेकिन वही मध्य प्रदेश के मोहन सरकार की किरकिरी करने से जरा भी देर नहीं कर रहे हैं।

टीकाकरण के लिए भटकते हैं लोग

खन्नौधी में पशु अस्पताल होने के बावजूद भी लोगों को अगर पशुओं को टीकाकरण करना है तो लोग इधर-उधर भटकते रहते हैं क्योंकि डॉक्टर की गैर मौजूदगी के कारण पशुओं को टीकाकरण समय पर नहीं हो पा रहा है जिससे बारिश के मौसम में कई गंभीर बीमारी फैलने का डर बना रहता है अगर टीकाकरण हो जाता है तो पशुओं को बीमारी का खतरा टल जाता है लेकिन खनौदी पशु अस्पताल के डॉक्टर की लापरवाही के कारण वहां के पशुओं को समय-समय पर टीकाकरण नहीं हो पाता जिससे आए दिन वहां के मवेशी गंभीर बीमारियों का शिकार हो जाते हैं

कलेक्टर व कमिश्नर से करेंगे शिकायत

डॉक्टर गौतम पशु अस्पताल के प्रभारी इंचार्ज होने के कारण अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं यदि समय रहते हैं जिम्मेदार विभाग इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो गांव वाले इक_ा होकर इनकी व उनके विभाग की शिकायत कलेक्टर व कमिश्नर से करेंगे ताकि खनौदी क्षेत्र के बढ़ रहे पशुओं की मृत्यु दर को रोका जा सके।

युवा समाजसेवी अनीश ने तीसरी बार किया रक्तदान

शहडोल। मानव सेवा के लिए तत्पर अनीश केशरवानी ने एक बार फिर अपनी निस्वार्थ भावना का परिचय दिया। हाल ही में उन्हें बापू चौक अमलाई निवासी राज केशरवानी ने बताया कि शहडोल निवासी वीरेंद्र विश्वकर्मा की तबीयत अत्यधिक खराब थी और उन्हें बी पॉजिटिव रक्त की तुरन्त आवश्यकता थी। बिना देर किए, अनीश केशरवानी तुरंत अस्पताल पहुंचे और रक्तदान किया। उनके इस सराहनीय कार्य ने न केवल मरीज को जीवनदान दिया बल्कि उनके परिवार को भी सांत्वना प्रदान की। यह पहला मौका नहीं है जब अनीश ने ऐसा नेक कार्य किया हो। मात्र 21 वर्ष की उम्र में वह अब तक तीन बार रक्तदान कर चुके हैं। उनकी यह निस्वार्थ सेवा समाज के लिए एक प्रेरणा बन चुकी है। अनीश हमेशा से ही अपने आसपास के नगरवासियों और जिले के लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते रहे हैं। वह न केवल स्वयं रक्तदान करते हैं बल्कि दूसरों को भी इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरित करते हैं। अनीश का मानना है कि रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह अपने कार्यों से समाज में यह संदेश देना चाहते हैं कि रक्तदान महादान है और इससे बड़ी कोई सेवा नहीं हो सकती। अनीश के निरंतर प्रयास और समर्पण को देखते हुए, वह निस्संदेह युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श बन चुके हैं। उनका यह कार्य यह साबित करता है कि अगर दिल में सेवा की भावना हो तो उम्र कोई बाधा नहीं बन सकती। अनीश केशरवानी जैसे युवाओं की सक्रिय भागीदारी से समाज में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद और भी प्रबल हो जाती है। अनीश का कहना है कि रक्तदान करने से आपके रक्त की चिपचिपाहट कम हो जाती है, जिससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है इसलिए आप सभी रक्तदान करते रहिए।

पौधारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

शहडोल।

शासकीय इंदिरा गांधी गृहविज्ञान कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस के कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई के द्वारा पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई एवं पर्यावरण को संतुलित एवं संरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से पोस्टर व पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की थीम -वैश्विक स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समूल समाप्त किया जाना निर्धारित है। महाविद्यालय के प्राचार्य व पूर्व कुलपति डॉ.मुकेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साह से भागीदारी की इसके बाद महाविद्यालय के कैंपस में छात्राओं ,अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिता ,पोस्टर निर्माण साथ ही पर्यावरण प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव विषय में विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉ.मुकेश कुमार तिवारी द्वारा पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सरोज बाला श्याम ने पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता का महत्त्व व सुरक्षित पर्यावरण के फ़ायदे बताए। इस अवसर पर वनस्पति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ.कुमुद सांड्या व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता सिंह मरकाम का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविका शालू चतुर्वेदी ,पूजा करचाम ,लमिया सिंह ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किये तथा पर्यावरण को, एक पेड़ लगाकर संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

तीन-तीन ग्रामों में कृषि शिविरों का किया गया आयोजन

शहडोल।

खरीफ फसल के पूर्व किसानों को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत नवीन एवं उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने हेतु जिले में 29 मई से 12 जून तक कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सोहागपुर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ. अल्पना शर्मा के मार्गदर्शन में ग्राम अर्झुला तथा छिरहटी में जयसिंहनगर जनपद पंचायत में कृषि वैज्ञानिक डॉ दीपक चौहान के मार्गदर्शन में ग्राम बसोरा तथा जमुनिहा में जनपद पंचायत बुढ़ार में कृषि वैज्ञानिक डॉ. बीके प्रजापति के मार्गदर्शन में बलभद्रपुर, सेजहाई तथा नवाटोला में शिविरो का आयोजन कर कृषि संबंधी जानकारी दी गई तथा किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिवर में किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी गई तथा खेती की उन्नत तकनीक, फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण के संबंध में भी किसानों को जानकारी दी गई।

डिप्टी रेंजर को बंधक बना की गई मारपीट

उमरिया।

जिला मुख्यालय अंतर्गत वार्ड क्रमांक 19 में उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब एक महिला और उसकी बेटी ने वन विकास निगम की जांच टीम के डिप्टी रेंजर को अपने ही घर में बंधक बना लिया। यह मामला लकड़ी की अवैध तस्करी की जांच से जुड़ा था। बंधक बनाए गए अधिकारी को काफी मशक्कत के बाद पुलिस की मदद से मुक्त कराया जा सका।

खबर है कि जनवरी 2025 में वन विकास निगम द्वारा की गई एक बड़ी कार्रवाई के दौरान तीन घन मीटर अवैध लकड़ी जब्त की गई थी। इस मामले में केस भले ही रवि महरा नाम के व्यक्ति के नाम पर दर्ज किया गया हो, लेकिन जांच में सामने आया कि तस्कर रामनिवास शर्मा की भी इसमें भूमिका थी। इसी मामले की पुष्टि करने के लिए वन विकास निगम की टीम रविवार को रामनिवास शर्मा के घर पहुंची थी, जहां उनकी पत्नी और बेटी ने डिप्टी रेंजर को घेरकर घर के अंदर बंधक बना लिया और मारपीट भी की।

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अन्य अधिकारी सतर्क हुए और उन्होंने तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतिपाल सिंह महोबिया को सूचना दी। निर्देश मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और डिप्टी रेंजर को महिला के कब्जे से मुक्त कराया। मामला यहीं नहीं रुका। कार्रवाई से बचने के लिए महिला खुद कोतवाली पहुंची और डिप्टी रेंजर पर छेडख़ानी का आरोप जड़ दिया। पुलिस ने जब महिला की मेडिकल जांच (एमएलसी) कराने की कोशिश की, तो उसने इससे इनकार कर दिया और कोतवाली से चुपचाप निकल गई।

वन विकास निगम अधिकारियों के अनुसार रामनिवास शर्मा पर पहले से ही लकड़ी तस्करी के कई मामले दर्ज हैं और वह लंबे समय से विभाग की निगरानी में है। टीम इसी संदिग्ध भूमिका की जांच के तहत शर्मा के घर गई थी, लेकिन वहां स्थिति हिंसक हो गई।

कृषि शिविर में किसानों को आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र की जानकारी दी गई

शहडोल।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत जिले में कृषि विभाग तथा सहयोगी विभागों कृषि विज्ञान केन्द्र, पशुपालन विभाग, उद्यानिकी तथा मत्स्यपालन विभाग के अमले द्वारा बुढ़ार, सोहागपुर तथा गोहपारू जनपद पंचायतों के तीन-तीन ग्रामों में कृषि शिविरों का आयोजन किया जा रहा हैं।

बुढ़ार जनपद पंचायत के ग्राम बलभद्रपुर में कृषि वैज्ञानिक डॉ अल्पना शर्मा के मार्गदर्शन में कृषि शिविर का आयोजन कर किसानों को कृषि संबंधी जानकारी दी गई तथा किसानों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिवर में किसानों को खेती को आधुनिक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी गई। खेती की उन्नत तकनीक, फसलों के आधुनिक और उन्नत बीज, कृषि में किए जा रहे नवाचार, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण के संबंध में भी किसानों को जानकारी दी गई।

कृषि शिविर में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बुढ़ार एस.पी.एस राजपूत ने किसानों को बताया कि धान की खेती के लिए किसान मुख्य रूप से रोपाई का उपयोग किया जा रहा है। छिटवा धान की खेती का क्षेत्र बहुत कम हो गया है। धान की रोपाई के लिए बड़ी संख्या में कुशल और परिश्रमी मजदूरों की आवश्यकता होती है। धान का रोपा तैयार करने के बाद उसे 21 दिन में नर्सरी से निकालकर खेत में रोपाई करना आवश्यक होता है। सभी किसानों को लगभग एक समय ही बड़ी संख्या में मजदूरों की आवश्यकता होने से पर्याप्त मजदूर मिलना कठिन हो जाता है। रोपाई में देरी से भी धान के उत्पादन में गिरावट आती है।

इस समस्या का कारगर समाधान आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र है। इसे ट्रैक्टर से जोडक़र आसान से चलाया जा सकता है। इससे रोपाई करने पर कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी तय रहती है। कतार से पौधे रोपित होने पर कोनाबीडर अथवा अन्य उपकरणों के उपयोग से फसल से खरपतवार निकालने में सहूलियत होती है। आटोमेटिक धान रोपाई यंत्र से एक साथ आठ कतारों में पौधों का रोपण होता है। रोपाई के लिए धान के पौधे चटाईनुमा तकनीक से तैयार किए जाते हैं। एक हेक्टेयर में रोपाई के लिए 100 वर्गमीटर की नर्सरी आवश्यक होती है। नर्सरी में गोबर की खाद तथा भुरभुरी मिट्टी में धान के पौधे तैयार किए जाते हैं। रोपाई के लिए इन्हें निश्चित मात्रा में रोपाई यंत्र की प्लेट पर रखा जाता है। इससे धान की रोपाई करने पर परिश्रम, लागत और समय की लगभग 50 प्रतिशत बचत होती है। साथ ही धान के उत्पादन में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि होती है। धान रोपाई यानी पैडी ट्रांसप्लांटर विभिन्न मॉडलों में उपलब्ध है। इसे खरीदने पर भी किसान को पात्रता के अनुसार अनुदान राशि का लाभ दिया जाता है।

खानापूर्ति तक सिमटी जिम्मेदार की कार्यवाही

अंग्रेजी शराब की पैकारी को लेकर बेखबर विभाग

उमरिया।

अगर अवैध शराब के अवैध कारोबार की जड़ के जाने के बारे में जानने की कोशिश करे तो जानकारी जानकर आप भी चौक जायेंगे। वास्तविक यह है कि शराब का अवैध धंधा ठेकेदारों का ही फंडा होता है। ठेकेदार शराब की जो दुकान ठेके पर लेता है। उस क्षेत्र में दर्जनों दुकानें चलाता है, ढाबे वाले, होटल वाले, गुमटी वाले, कई घरों से, कई चाय की दुकान से, कोई पान की दुकान से आदि अनेक प्रकार से शराब का अवैध कारोबार होता है। इन सब दुकान पर वह शराब अपने दो पहिया व चार पहिया आदि के माध्यम से सप्लाई की जाती है। यह दो पहिया व चार पहिया जिले में एक प्रोडक्ट की तरह मार्केटिंग करते हुए अवैध शराब का परिवहन करती है। जिसकी जानकारी पुलिस विभाग के साथ-साथ जिला आबकारी विभाग को भी होती है, लेकिन जिला आबकारी विभाग द्वारा इस अवैध शराब पर किसी भी तरह की कोई कार्यवाही नहीं की जाती। जिससे या व्यापार इन साधनों के माध्यम से दिन दुगनी रात चौगुनी के तर्ज पर विकास कर रहा है और ठेकेदार के साथ-साथ आबकारी अधिकारी की जेब भी गर्म कर रहा होगा अन्यथा कार्रवाई न होना समझ से परे है।

खानापूर्ति तक सिमटी कार्यवाही

जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जब से जिले में पदस्थ हुए हैं। संभवत अवैध शराब माफियाओं पर शायद ही कोई बड़ी कार्यवाही की होगी। हां यह जरूर है कि कागजी खानापूर्ति के लिए कच्ची शराब के केस, महुआ से बनी शराब आदि के केस बना कर इतिश्री कर ली जाती है। आबकारी विभाग द्वारा जिले में जहाँ-जहाँ इस तरह की केस बनाए भी गए हो जो मात्र खानापूर्ति कर इतिश्री की गई। जबकि उमरिया, मानपुर, नौरोजाबाद, करकेली, बिरसिंहपुर पाली सहित दर्जनों दुकानों से अवैध शराब का परिवहन बिक्री खुलेआम हो रहा। जिसकी जानकारी आबकारी अधिकारी को होने के बाद भी कोई कार्यवाही ना होना। इस ओर संकेत करता है कि सारा अवैध शराब का कारोबार आबकारी अधिकारी के संरक्षण में ही फल-फूल रहा है।

पूछने लगते हैं इतिहास

आबकारी अधिकारी के गैर जिम्मेदाराना रवैया के व कार्य शैली ने जिले में अवैध शराब का कारोबार बढ रहा है। आज जिले में कहीं पर किसी भी बच्चे से पूछ लिया जाए शराब कहां मिलता है तो, आसानी से उस स्थान का पता बता देगा। इस तरह इस आबकारी अधिकारी के कार्यकाल में जिले में अवैध शराब के मामले तेजी से विकास किया है। कार्यवाही के नाम पर महुआ शराब कारोबारियों पर एक दो कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपाने वाला आबकारी विभाग कभी भी कोचिया पर कार्यवाही करता नजर नही आया। अगर किसी के द्वारा अवैध कोचियाओ के बारे में जानकारी भी दी जाए तो साहब इतने अनजान बन जाते है। जैसे उन्हें कुछ पता ही न हो और उल्टा सूचना देने वाले से जगह और व्यक्ति का नाम पूछने लगते है। अगर जगह और व्यक्ति का नाम बता दिया जाए तो फिर अगले की जन्मकुंडली और इतिहास पूछने लगते है कि उसके पिता का क्या नाम है। उसके नाना मामा का क्या नाम है, कितने भाई है,क्या खाते है क्या पीते है कैसे रहते है। जबकि आबकारी विभाग को हर वो जगह और आदमी पता है। जहाँ कोचिया शराब बिकती है।

गांव-गांव हो रही अवैध बिक्री

महुआ शराब पर कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपाने वाली आबकारी विभाग को कागजी खाना पूर्ति करना होता है तो न जगह पूछते है और नाम और उक्त आदमी तक पहुंच जाते है। यह एक अच्छी बात है लेकिन इसी तरह अगर आबकारी विभाग कोचिया पर भी कार्यवाही करे तो, शायद जिले में कुछ हद तक अपराध पर अंकुश लग सकता है। ऐसे में एक और सवाल खड़ा होता है कि गांव में शहरों में घर मे बनने वाले महुआ शराब का पता आबकारी विभाग को हो जाता है, लेकिन सडक़ किनारे ढाबा,किराना दुकान,अंडा दुकान वालो के यहाँ बिकने वाला कोचिया शराब नजर नही आता यैसे में सवाल उठना लाजमी है कि आबकारी विभाग के संरक्षण में कोचिया शराब की बिक्री गांव गांव हो रही है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। जिले में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र उमरिया द्वारा भारत सरकार के निर्देशानुसार विकसित कृषि संकल्प अभियान 12 जून तक तक संचालित किया जाएगा। कलस्टर रूट चार्ट अनुसार पंचायतों में अभियान कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी/कर्मचारी एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के मैदानी अमले द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खेती की उन्नत तकनीक, नवीन किस्म के बीज, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती खेतों की मिट्टी परीक्षण उन्नत कृषियंत्र आदि से संबंधित कार्यक्रम के दौरान कृषकों को जानकारी दी जा रही है। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास संग्राम सिंह मरावी कार्यक्रमों में उपस्थित होकर विकसित कृषि संकल्प अभियान से संबंधित जानकारी प्रदाय की जा रही है। कृषि विभाग के अलावा पशुपालन, कृषि अभियांत्रकीय, उद्यायनकीय, मत्सपालन, राजस्व विभाग, महिला एवं बालविकास विभाग, के मैदानी अमले द्वारा विभाग में संचालित योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम अन्तर्गत विकासखण्ड करकेली के ग्राम पंचायत पथरहठा, सेमराडी एवं पाली, विकासखण्ड मानपुर के ग्राम पंचायत बल्हौड टिकुरीटोला एवं नौगवों तथा विकासखण्ड पाली के ग्राम पंचायत सलैया, चंदनिया एवं नरवार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी तरह 8 जून को 2025 को विकासखण्ड करकेली के ग्राम पंचायत बहेरवाह, घोघरी एवं नखार विकासखण्ड मानपुर के ग्राम पंचायत छपडौर, अमिलिया, एवं परासी तया विकासखण्ड पाली के ग्राम पंचायत खोलखम्हरा, रौवगढ़ एवं शाहपुर में विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रकरण के बारे में जानकारी देने वालों को 30 हजार रूपये का ईनाम दिया जाएगा

उमरिया। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाली में धारा 103 (1), 332(1),307,115 (2) बीएनएस पुलिस महानिरीक्षक अनुराग शर्मा के द्वारा उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेन्ज सविता सुहाने, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पाली , थाना प्रभारी थाना पाली, चौकी प्रभारी घुनघुटी की उपस्थिति में ग्राम अमिलिहा में हुई मृतक शिवदयाल शुक्ला की हत्या में संलिप्त अज्ञात आरोपियों की पता तलाश के संबंध में बैठक ली गई । जिसमें पुलिस महानिरीक्षक शहडोल जोन शहडोल एवं उप पुलिस महानिरीक्षक शहडोल रेन्ज के द्वारा प्रकरण की अग्रिम विवेचना एवं अज्ञात आरोपियों की पता तलाश करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये । ग्राम अमिलिहा में हुई हत्या के संबंध में एस.डी.ओ.पी. पाली के नेतृत्व में 7 सदस्यीय टीम बनाने के निर्देश दिये हैं। प्रकरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देने वाले को 30,000 रुपये ईनाम की भी उदघोषणा की ।

खेरवाखुर्द में आयोजित होगा कार्यक्रम

उमरिया। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के तहत 9 जून को विकासखण्ड पाली में ग्राम पंचायत कुशमहाखुर्द, हथपुरा, मालाचुआ, करकेली विकासखंड के ग्राम पंचायत डबरौहा, कछरवार, खेरवाखुर्द, मानपुर विकासखण्ड के रक्सा, बड़ार, कठार में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में अधिक से अधिक ग्रामीण जन एवं कृषकों को बीज की जानकारी, योजना की जानकारी, कृषि यंत्र की जानकारी, स्वाईल हेल्थ कार्ड, मिट्टी परीक्षण, आधार लिंक, आधार अपडेट, ईकेवाइसी, के.सी.सी., कृषि यंत्र ऑनलाईन, फौती नामांतरण, कार्यक्रम के दौरान किया जायेगा।

भीषण गर्मी से परेशान हो रहे लोग

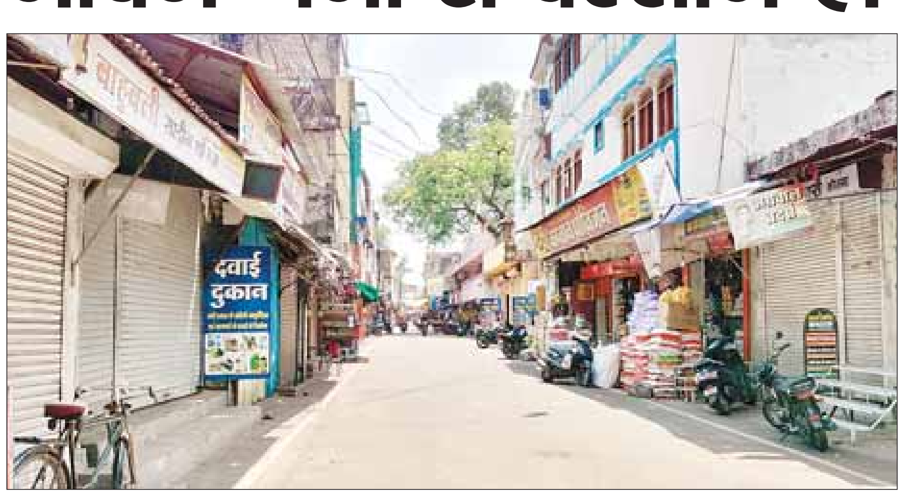

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नौतपा समाप्त होने के बाद भी लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। सुबह से ही आसमान से जमकर आग बरसने लगती है। जहां शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री एवं न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रहा। लोगों को सूर्य देव के प्रचंड तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह से ही भीषण गर्मी से लोगों की हालत बिगाड़ रही है। लू के थपेड़े लोगों को झुलसा रहे हैं दिन की शुरुआत के साथ ही सूर्य की तपन से धरती तपने लगती है। नगर की सड़कों में दोपहर में जरुरी काम वाले लोग ही नजर आते हैं, वो भी पसीने से तर-बतर रहते हैं। यही नहीं दुकानों में भी ग्राहक नहीं रहते भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते रहते हैं। भीषण गर्मी और धूप तेज होने के चलते दोपहर में लोग बाहर निकलने से बचते नजर आ रहे हैं। जो लोग घर से बाहर निकल रहे हैं, वह भी धूप व लू से बचने के लिए सिर व मुंह पर कपड़ा बांध कर निकल रहे। अब लोगों को मानसून आने का इंतजार है। कितनी जल्दी मानसून आये और बारिश हो जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिले। रात में भी उमस भरी गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है।

ग्राम पंचायत में बनाए जा रहे हैं खेत तालाब एवं रिचार्ज सेट

उमरिया

प्रदेश के मुख्यनमंत्री डॉक्टर मोहन यादव एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के कुशल नेतृत्व में अभियान चला कर वर्षा जल को संचय करने के लिए खेत तालाब एवं रिचार्ज सेट बनाए जा रहे हैं । इसी कड़ी में मानपुर जनपद की ग्राम पंचायत चिल्हारी में खेत तालाब रिचार्ज सेट चिल्हारिया तालाब का गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है जिसमें हितग्राहियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ऐसी पात्र हितग्राही को खेत तालाब निर्माण रिचार्ज सेट योजना के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है।

जैतहरी मण्डल में जिला कार्यशाला सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज जैतहरी

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यशाला पहली बार जैतहरी मण्डल में आयोजित किया गया जिसमें भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जिला प्रभारी मिथिलेश प्यासी मुख्य रूप से उपस्थित रहे जैतहरी में स्थित पंडित अटल बिहारी वाजपेई ऑडिटोरियम नगर परिषद जैतहरी में भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यशाला आयोजित किया गया जो की भारतीय जनता पार्टी के मंडल जैतहरी के कार्यकर्ताओं के द्वारा पूरे नगर को शानदार रूप से सजाया गया सभी जगह झंडा बैनर लगवाया गया था। जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का आगमन होते ही सभी कार्यकर्ताओं ने इकट्ठा होकर जैतहरी अटल गेट में उनका फूल मालाओ के द्वारा शानदार स्वागत किया गया हीरा सिंह श्याम वहां से पैदल चलकर सभी लोगों का अभिवादन स्वीकार किया एवं कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत अभिनंदन किया, इसके पश्चात नगर में ऑडिटोरियम सभा में सभी ने फूलमाला के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया एवं सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओ का पुष्प वर्षा से सभी का स्वागत किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर पार्टी के द्वारा दिए गए कार्यक्रमों के बारे में सभी ने विस्तार से अपनी बात रखी एवं 11 साल बेमिसाल के रूप में सभी कार्यक्रम को विस्तार से रखा एवं बुद्ध स्तर तक सभी कार्यक्रमों को संपन्न कराए जाने की बात कही भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जैतहरी नगर में पहली बार जिला कार्यशाला आयोजित की गई एवं भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने आयोजन की सफलता एवं अनुशासन पूर्वक तैयारी को लेकर के खुशी जताई और आगे कहा ऐसे ही हम आगामी दूसरे मंडलों में भी इस तरह के कार्यक्रम को करते रहेंगे भारतीय जनता पार्टी मंडल मंडल जैतहरी के अध्यक्ष दिनेश सिंह राठौर ने अपने कार्यकर्ताओं को सहयोग के प्रति सभी को धन्यवाद प्रेषित किया अंतिम में नगर परिषद के अध्यक्ष उमंग गुप्ता ने आभार जताया।

नगर के कई स्थानों पर पार्किंग की आड़ में अवैध वसूली जारी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के कई स्थानों पर पार्किंग की आड़ में अवैध वसूली जारी है। वाहन चालकों के आनाकानी करने पर ठेकेदार के कर्मचारी धौंस दिखाकर धमकाते हैं। किस वाहन से कितना पार्किंग शुल्क लेना है, इसकी लिस्ट भी नहीं लगाई गई है। नगर पालिका के द्वारा मार्च माह में स्टैंड शुल्क के नाम से ठेकेदार को लगभग 7 लाख 91 हजार रुपए में ठेका दिया गया है। नगर में स्टैंड शुल्क नियमानुसार वाहनों से निर्धारित शुल्क वसूलना चाहिए। वह भी एक निश्चित जगह को तय करके। इसके उल्ट जबर्दस्ती सभी आने-जाने वाले वाहनों से पार्किंग, लोडिंग, अनलोडिंग के नाम पर शुल्क वसूला जाता है। शहर के बस स्टैंड, मुखर्जी चौक बनिया टोला बाजार समेत अन्य जगहों पर लगातार अवैध वसूली होती है। इसको लेकर कई चालक, परिचालक कई बार पालिका व प्रशासन के अधिकारियों से मौखिक शिकायत कर चुके हैं। प्राइवेट बस स्टैंड पर पार्किंग के नाम पर हर बस से 35 रुपये वसूली की जाती है। उसके ऐवज में यहां चालक-परिचालक को रुकने के लिए छत तक मुहैया नहीं हो पा रही है। पीने के लिए शुद्ध पेयजल भी नहीं मिल पा रहा है। यहां एक हैंडपंप लगा हुआ है। साथ ही लिस्ट भी बस स्टैंड मे चस्पा नही किया गया है।

हो रही अवैध वसूली

यदि लोकल गाड़ी है तो उससे 20 रुपये लोडिंग-अनलोडिंग की वसूली की जाती है। यदि कोई बाहर वाला नजर आता है तो उससे 50 रुपये वसूले जाते थे। ऐसे ही बड़े वाहनों से भी अनियमित तरीके से वसूली की जा रही है।

इनका कहना है

नगर पालिका के द्वारा बस स्टैंड का शुल्क वसूली का ठेकेदार को ठेका दिया गया है यदि पूरे नगर मे ठेकेदार के कर्मचारी के द्वारा स्टैंड शुल्क वसूल किया जा रहा है तो वह गलत है राजस्व कर्मचारी को जांज के आदेश देते हुए ठेकेदार को नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही बस स्टैंड मे शुल्क वसूली की सूची चस्पा करवाई जायेगी।

प्रदीप झारिया
मुख्य नगर पालिका अधिकारी कोतमा

लोक निर्माण से लोक कल्याण

उमरिया। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जी आर गायकवाड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार व्दारा लोकपथ मोबाइल एप लांच किया गया है । लोकपथ एप के माध्यम से सडक़ पर गढ्ढे दिखने पर उसकी फोटो मोबाइल ऐप से लेकर रिपोर्ट की जा सकती है । सात दिन के अंदर सडक़ की मरम्मत की जाएगी और मोबाइल एप पर सूचित किया जाएगा । उन्होने बताया कि लोकपथ मोबाइल एप की सेवाएं केवल लोक निर्माण विभाग व्दारा निर्मित सडक़ो पर लागू होगी ।

18 वर्षीय युवती घर से लापता

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 रेलवे लाइन कॉलोनी के पास रहने वाली 18 वर्षीय युवती के अचानक घर से बिना बताए कहीं चले जाने का मामला सामने आया है। युवती के पता तलाश के बाद भी ना मिलने पर मां गुड्डी के द्वारा थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। शिकायत पर पुलिस के द्वारा गुम इंसान कायम करते हुए जांच कर रही है। कपिल यूईके एवं टीम द्वारा युवती की संभावित जगहों में जाकर तलाश में जुटी हुई है।

गाली गलौज व मारपीट का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत बिजहा गांव निवासी कुंती बाई पति मूरत सिंह कंवर 50 साल के द्वारा शनिवार को थाने में शिकायत दर्ज करवाई की शनिवार को शाम 5:00 बजे वह घर में थी तभी उसका लड़का गुलाब सिंह कंवर शराब के नशे में उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिया है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पुत्र गुलाब सिंह कंवर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया।

पत्रकार बीएल सिंह को पितृ शोक, कोयलांचल में शोक की लहर

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर परिषद डोला के निवासी पत्रकार सांथी बीएल सिंह के पिता का लंबी बीमारी के बाद रविवार को निधन हो गया। बताया जाता है कि डोला निवासी शिवराज सिंह लगभग 65 साल कालरी कर्मचारी थे जो सेवानिवृत्त हो गए थे। काफी दिनों से बीमार थे जिनका इलाज बिलासपुर के निजी चिकित्सालय में चल रहा था। रविवार को सुबह उनका निधन हो गया। जिनके शव को ग्रह ग्राम सीधी ले जाया गया है। उनका अंतिम संस्कार बनारस में सोमवार को किया जाएगा। बीएल सिंह के पिताजी के निधन की खबर लगते ही कोयलांचल क्षेत्र में शोक व्यक्त हो गया।

खबर संक्षेप

पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण की ली शपथ

कटनी। जिला स्तर पर पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें में एक पौधा मां के नाम रोपित कर शुभारंभ किया। बड़ी संख्या में स्काउट गाइड रोवन रेंजर यूनिट लीडर तथा विभिन्न संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे। तदु उपरांत विगत वर्षों में रोपित पौधों का संरक्षण स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा किया गया। इसी क्रम में शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय माधव नगर कटनी में जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला कमिश्नर स्काउट पी पी सिंह द्वारा एक पौधा मां के नाम रोपित किया गया। साथ ही उपस्थित सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं शिक्षक साथियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माधव नगर कटनी के सभा कक्ष में की गई। संगोष्ठी में भारत स्काउट गाइड और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में संचालित प्रोजेक्ट के अंतर्गत क्विज कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें विजय स्काउट गाइड रोवर रेंजर को इको फ्रेंडली पेन गिफ्ट किए गए।

छोटे व्यवसाय शुरू कर सकेंगे अजा वर्ग के युवा

कटनी। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए राज्य शासन के अंत्यावसायी विभाग द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना शुरू की गई है। इस योजना में अनुसूचित जाति वर्ग के व्यक्तिओं को छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू करने या मौजूदा व्यवसाय के विस्तार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत उद्योग, सेवाओं एवं व्यापारिक इकाईयों को स्थापित करने के लिए 10 हजार रूपये से लेकर 1 लाख रूपये तक का ऋण दिया जाता है। साथ ही योजनांतर्गत हितग्राही को 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से 5 वर्षों तक ब्याज अनुदान दिया जाएगा। ऋण की गारंटी फीस का भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जाएगा। इच्छुक व्यक्ति जरूरी दस्तावेजों के साथ samast.mponline.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कार्यालय से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

निगमायुक्त को कराया औद्योगिक क्षेत्र की समस्याओं से अवगत

कटनी। सूक्ष्म और लघु उद्योगों के बीच कार्य करने वाले संगठन लघु उद्योग भारती ने बरगवां औद्योगिक क्षेत्र के मुख्य नाले की समस्या से नगर निगम आयुक्त को अवगत कराया. इस नाले पर पुल निर्माण के कारण किये गये डाइवर्शन से बारिश में जल भराव की स्थिति बनेगी और यह जल उद्योग परिसरों में भी भरेगा जिससे उद्यमियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। निगमायुक्त ने स्थल निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारियों को नाले को पुनः चौड़ा कर जल निकास को व्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया। औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की समस्या भी संगठन के पदाधिकारियों ने बताई जिसके लिये उपस्थित अधिकारियों ने शीघ्र ही समस्या के निदान हेतु आश्वस्त किया। संगठन की ओर से अनिल वासवानी, हरिसिंह भदौरिया, मनीष सिंह, मुरलीधर रत्नानी, सुरेश रत्नानी, राजकुमार आसरानी, मनीष सिंघानी आदि उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक सुंदर लाल गुप्ता का निधन

कटनी। वरिष्ठ नागरिक सुंदर लाल गुप्ता का शनिवार को आकस्मिक

निधन हो गया। संजय गुप्ता, दरशन गुप्ता, संतोष गुप्ता, प्रशांत सत्यनारायण गुप्ता के पिता एवं राजेश गुप्ता के चाचा सुंदरलाल 88 वर्ष के थे। गत दिवस अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनकी पार्थिव देह को लेकर बनारस ले जाया जाएगा जहां मां गंगा तट मां कणिका घाट में आज 8 जून रविवार को अंत्येष्टि संस्कार किया जायेगा। शोकाकुल परिवार को इस गहन दुख को सहन करने एवं मृत आत्मा को सदगति प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की गई है।

रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कुठला पुलिस ने की कार्रवाई

कार में भरी थी शराब की पेटियां, चार तस्कर गिरफ्तार, सभी को भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

जिले में शराब की तस्करी का खेल लंबे समय से चल रहा है। नये पुलिस कप्तान के पदभार ग्रहण करने के बाद अब पुलिस कुछ चौकस हुई है। कुठला पुलिस ने बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। साथ ही चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्कर कार में शराब की पेटियां भरकर ले जा रहे थे।

पीछा कर किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी कुठला राजेन्द्र मिश्र ने बताया कि रात्रि में भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कार क्रमांक DL 11 CA 0527 में भारी मात्रा में अवैध शराब चाका तरफ से पुरैनी तरफ आने की सूचना मिली जिसकी सूचना पर उक्त कार की तलाश नाकाबन्दी की गई। उक्त कार पुरैनी के सामने आते दिखे जो पुलिस को देखकर ट्रांसपोर्ट नगर तरफ मुड़ गये जिन्हे पीछा करते हुए घेराबन्दी कर ट्रांसपोर्टनगर में पकड़ा गया। कार चला रहे व्यक्ति एवं उसके साथी से उसका नाम पता पूछने पर चालक द्वारा अपना नाम जगत सिंह पिता राजकुमार सिंह 22 साल निवासी ग्राम कचौरी थाना शाहनगर हाल चाण्डक चौक कटनी एवं कार में बैठे व्यक्तियों ने अपना नाम अभिषेक ठाकुर पिता रामकिशोर 20 साल निवासी बधवा टोला थाना रंगनाथनगर, अभय राज पिता अजय राज 20 साल निवासी नया बस स्टैण्ड थाना कोतवाली कटनी, निक्की उर्फ अभय सिंह पिता सुमेर सिंह 23 साल निवासी बालाजी नगर थाना कोतवाली कटनी, अनुज वंशकार पिता जुगनू 18 साल निवासी भट्टा मोहल्ला थाना रंगनाथ नगर का होना बताया तलाशी लेने पर कार के अन्दर गाड़ी के अन्दर कुल 20 कार्टूनों में भरी 1000 पाव देशी एवं लाल प्लेन मसाला शराब कुल 180 लीटर कीमती 1,00,000 रूपये व कार को जप्त किया गया। धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया जहाँ से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है

पूर्व में आपराधिक रिकार्ड

आरोपी अभय राज उर्फ अब्बू पिता अजय राज 20 साल निवासी नया बस स्टैण्ड थाना कोतवाली कटनी के विरुद्ध थाना कोतवाली जिला कटनी के 3 अपराध पंजीबद्ध है। आरोपी जगत सिंह पिता राजकुमार सिंह 22 साल निवासी ग्राम कचौरी थाना शाहनगर हाल चाण्डक चौक कटनी के विरुद्ध थाना शाहनगर जिला पन्ना में 1 अपराध पंजीबद्ध है।

कार्यवाही में इनकी रही भूमिका

कार्यवाही थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में की गई जिसमें उप निरीक्षक विनोद सिंह, सहायक उप निरीक्षक तीरथ तेकाम, प्रधान आरक्षक रामेश्वर सिंह, अजय यादव, आरक्षक सतेन्द्र सिंह, पुष्पेन्द्र त्रिपाठी, मनोज राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

---

10 जून को नि:शुल्क वृहद आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर जाँच व नि: शुल्क औषधिय वितरण होगा

ब्योहारी

केशरवानी समाज के संरक्षण में केशरवानी महिला सभा के आयोजन निःशुल्क वृहद आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर जाँच व निः शुल्क औषधिय वितरण होगा ब्योहारी में माननीय जिला आयुष अधिकारी के सहयोग से विशेष उपचार - जोड़ो के दर्द, गठिया वात, कमर, घुटनों, दर्द, सायटिका उच्च रक्त चाप, शुगर, दमा, कब्ज, पथरी, महिलाओं के समस्त रोग व धात, पुरुषों की कमजोरी, बवासीर, सिर दर्द, माइग्रेन, नशा मुक्ती, मोटापा, तलबे में जलन, व पुरानी खाँसी आदि रोग का उपचार व सलाह दी जाएगी। ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के आस पास और जहाँ लोगों को जनकारी अवश्य ही औषधिय का लाभ उठाऐ। रोगी व्यक्ति अपने साथ आधार कार्ड कि फोटो कापी साथ लेकर अवश्य आऐ जिससे बाद लोग परेशान न हो। **शहडोलः स्थान** - कालेज के पीछे आदर्श पब्लिक स्कूल पी. डब्लू डी आफिस के पास बस स्टैड।

कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत पहरूआ मंडी के पास हुई थी घटना

वृद्ध के साथ मारपीट, इलाज के दौरान हुई मौत, आरोपित को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कुठला थाना अंतर्गत पहरूआ मंडी के समीप एक वृद्ध के साथ की मारपीट के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मारपीट करने वाले को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार 31 मई के दिन में करीब 12 बजे पहरुआ मण्डी गेट के सामने बख्तु उर्फ बखत्तु उर्फ बब्बू कुशवाहा और सुरेन्द्र शर्मा का विवाद गाली देने की बात को लेकर होने लगा था, उसी दौरान सुरेन्द्र शर्मा ने बख्तु कुशवाहा को मुक्को एवं लात से मारपीट किया। मारपीट में बख्तु कुशवाहा वही पर गिर गया। बख्तु कुशवाहा के सिर, आँख सहित शरीर के अन्य अंगों में चोट आई, उसे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय कटनी रात्रि करीब 10 बजे ले जाया गया जहाँ पर उसकी रात्रि 11.40 बजे मृत्यु होने पर ड्यूटी डॉक्टर द्वारा अस्पताल पुलिस चौकी के माध्यम से कुठला पुलिस को सूचना प्राप्त हुई। कुठला पुलिस द्वारा मर्ग पंजीबद्ध कर शव का पंचनामा एवं जाँच कार्यवाही की गई तथा पीएम कार्यवाही जिला चिकित्सालय कटनी से कराई गई। डॉक्टर द्वारा मृतक की मृत्यु सिर में चोट आने के कारण होना अभिमत में दिया गया। मृतक बख्तु को वृद्ध एवं शारीरिक रूप से कमजोर होना जानते हुए भी सुरेन्द्र शर्मा द्वारा हाथ, थप्पड, लात से मारपीट कर सड़क में गिरा दिया जिससे मृतक को सिर में घातक

चोट आई, जिसके परिणामस्वरूप बख्तु उर्फ बखत्तु उर्फ बब्बू कुशवाहा की मौत हो गई। मृतक की पीएम रिपोर्ट आज दिनांक 06/06/2025 को प्राप्त होने पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धारा में हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई तथा मामले के आरोपी सुरेन्द्र शर्मा पिता स्व0 जगदम्बा प्रसाद शर्मा उम्र 61 वर्ष निवासी पहरुआ गल्ला मण्डी थाना कुठला को 6 के बजे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई। आरोपी को न्यायालय पेश किया गया जहाँ से आरोपी को जेल भेज दिया गया है

गिरफ्तार आरोपी सुरेन्द्र शर्मा पिता स्व0 जगदम्बा प्रसाद शर्मा उम्र 61 वर्ष नि0 पहरुआ गल्ला मण्डी थाना कुठला निरीक्षक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व में उप निरीक्षक के के सिंह, विनोद सिंह, के सहायक उप निरीक्षक श्याम नारायण सिंह, प्रधान आरक्षक अजय यादव, रामेश्वर सिंह, आरक्षक सतेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, बालकृष्ण तिवारी एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

आंगनबाड़ी केन्द्र में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

ग्राम पंचायत तखला में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। सुमित शर्मा व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के द्वारा ग्रामीण महिलाओं एवं पुरूष से उनके राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, के संबंध में जानकारी ली एवं पैरालीगल वालेटियर आराधना तिवारी को निर्देशित किया की जिन लोगों के राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, नहीं बने है उन लोगों के कार्ड बनवाए जाने में सहयोग करें साथ ही नि :शुल्क विधिक सहायता, म0प्र0 अपराध पीड़ति प्रतिकर योजना, नालसा टोल फ्री नम्बर 15100, मध्यस्थता जागरूकता, तथा महिलाओं के अधिकारों के प्रति कानूनी सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान की गई और कहा कि किसी प्रकार की कानूनी समस्या के समाधान के लिए आप स्वयं एवं पैरालीगल वालेंटियर के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कटनी से संपर्क कर सकते है।

घूंघट से बाहर निकल आजीविका संवर्धन गतिविधि से लखपति दीदी बनीं प्रेमवती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

कभी घर की चहार दीवारी में कैद रहकर घूंघट में रहने वाली विकासखण्ड कटनी के ग्राम पंचायत कैलवारा की श्रीमती प्रेमवती पटेल ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक स्वावलंबन की मिसाल बन गई हैं।। स्व-सहायता समूह की आजीविका संवर्धन गतिविधि के माध्यम से दुकान की विस्तारित स्वरूप देकर और कृषि कार्य में आधुनिक तकनीक की मदद से प्रेमवती अब हर माह 22 हजार रूपये की आय अर्जित कर लखपति दीदी बन गई हैं। प्रेमवती पटेल बताती है कि समूह से जुड़ने के पहले उनकी मासिक आमदनी हर माह करीब 8 हजार रूपये ही थी। परिवार चलाना भी मुश्किल हो पा रहा था, बच्चों की देख-रेख में भी कठिनाई हो रही थी और पति कि छोटी दुकान थी, जो बहुत ज्यादा चलती भी नहीं थी। ऐसे में स्व -सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके लिए तरक्की के द्वार खुल गए ।प्रेमवती ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर संकट मोचन स्व-सहायता समूह गठित किया और वे स्वयं इस समूह की अध्यक्ष चुनीं गईं। उन्होंने इस समूह से जुड़कर कृषि कार्य में उन्नत बीज और खेती को अपनाया। इसके लिए बैंक से लोन लिया। जिससे व्यवसाय को विस्तारित स्वरूप देने में सहायता मिलीं। वे कहती हैं कि समूह के माध्यम से बैंक लिंकेज की राशि से पहली बार उनको 15 हजार रूपये किराना दुकान के लिए ऋण मिला ।जिसको उन्होंने मासिक किस्तों में ब्याज सहित चुका कर के दोबारा 30 हजार रूपये की राशि प्राप्त किया और अपने किराना दुकान को बढ़ाया ज्यादा सामग्री रखना शुरू किया। दुकान में जनरल स्टोर की भी सामग्री विक्रय करना शुरू किया। इसके बाद प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से भी 1 लाख रूपये की ऋण राशि लेकर दुकान को और विस्तारित किया ।जिससे कि दुकान में हर रोज 3 से 4 हजार रूपये की बिक्री होने लग गई।

प्रेमवती बताती है कि एक समय था जब वे कभी घर से बाहर नही निकलीं थी, घर की आर्थिक स्थिति भी ठीक नही होने के कारण उन्होंने परिवार चलाने में पति की मदद करने के उद्देश्य से स्व -सहायता समूह से जुड़कर दुकान को विस्ताारित करके काम-धंधा शुरू किया जो चल निकला।

समय पर उपचार मिलने से पीड़ित की बच सकती है जान

सर्प या जहरीले कीड़ों के काटने पर कराएं इलाज, झाड़ फूंक में न पड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

बारिश के मौसम में सर्पदंश और जहरीले कीड़े के काटने की घटनाओं के मद्देनजर इनके काटने पर तत्काल नजदीकी अस्पताल मे पीड़ति को पहुंचाने और झाड़-फूक में व्यर्थ समय नहीं गंवाने का आग्रह किया है। कलेक्टर ने कहा है कि अस्पताल ले जाने पर और समय पर एंटी वेनम इंजेक्शन लगने से सर्पदंश पीड़ति की जान बचाई जा सकती है।

कलेक्टर श्री यादव ने वर्तमान मे तेज गर्मी और इसके बाद बारिश शुरू होते ही ग्रामीण क्षेत्रों मे सर्पदंश की अधिक होने वाली घटनाओं के मद्देनजर सावधानी बतौर नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश या जहरीले कीड़े के काटने की घटना होने पर झाड़-फूंक से मरीज को ठीक कराने के चक्कर मे नहीं पड़ें, बल्कि मरीज को उपचार के लिए तत्काल निकटतम अस्पताल पहुंचाने का प्रयास करने का लोगों से आग्रह किया है। कलेक्टर श्री यादव ने कहा है कि सांप के काटने पर झाड़-फूक से नहीं बल्कि एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन से ही मरीज की जान बचाई जा सकती है। जिले के जिला चिकित्सालय सहित सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों मे एंटी स्नैक वेनम इंजेक्शन की उपलब्धता है। इसलिए सर्पदंश पीड़ति को यदि समय पर उपचार मिल जाये तो उसकी जान बचाई जा सकती है।

सांप काटने के केस ग्रामीण क्षेत्र से अधिक आते है। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से आमजन की तरह ही जीव जंतु भी अधिक परेशान है। वे अपने बिलों से बाहर निकलते है और खेतों आदि में काम करने वाले लोग अनजाने में सर्पदंश का शिकार बन जाते है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने कहा हर सांप विषैला नहीं होता

विशेषज्ञ चिकित्सकों के मुताबिक काटने वाले सभी सांप विषैले नहीं होते है। इसलिए सर्पदंश पीड़ति को घबराना नहीं चाहिए। सामान्यतः जहरीले सांपों के काटने पर दांतों के दो निशान अलग ही दिखाई देते है। जबकि गैर विषैले सांप के काटने पर दो से ज्यादा निशान हो सकते है। परंतु ये निशान दिखाई नहीं देते है। इसलिए सांप के काटने पर निशान नहीं दिखाई देने पर यह सोचना गलत होगा कि सांप ने नहीं काटा है। सांप के काटने पर करीब- करीब 95 प्रतिशत मामलों मे पहला लक्षण नींद का आना है। इसके साथ ही निगलने या सांस लेने मे तकलीफ होती है। आमतौर पर

जल्द अस्पताल पहुंचे

सांप अगर काट ले तो बिल्कुल भी देर नहीं करे और ना घबरायें। कोशिश करें कि जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचे।

सांप काटने वाली जगह पर किसी भी तरह की छेड़छाड़ न करें। उस जगह को कपड़े से भी न बांधे और न ही सांप के जहर को मुंह से बाहर निकालें।

भारत की पहली आधुनिक वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक का शुभारंभ

संस्कारधानी वासियों को मिलेंगी आधुनिकतम श्रवण स्वास्थ्य

जबलपुर। जटिल से जटिल श्रवण समस्याओं का निदान अब एक ही छत के नीचे संभव है। संस्कारधानी ही नहीं समूचे भारत की सबसे आधुनिक क्लिनिक का शुभारंभ रविवार शाम को जबलपुर में हुआ। अतिथियों ने कहा कि यह क्लिनिक जबलपुर की शान बनेगा, इसने स्वास्थ्य सुविधाओं की दृष्टि से जबलपुर को महानगरों की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है।

खास बात ये है कि यहां हर वर्ग स्वास्थ्य लाभ उठा सकता है, शासकीय योजनाओं का लाभ भी इस क्लिनिक के माध्यम से उठाया जा सकता है।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केके कौल ने फीता काटकर क्लिनिक का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इसे मध्यभारत का ही नहीं बल्कि समूचे भारत की आधुनिक क्लीनिक कहना गलत नहीं होगा। मेरी आशा है कि संस्कारधानीवासी और आसपास के लोग यहां आकर बेहतर स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे। यहां एक ही छत के

नीचे उन्हें सारी सुविधाएं मिलेंगी। अतिथि विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि यह क्लिनिक जबलपुर के लिए एक बड़ी सौगात है। अतिथि बीजेपी नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, पूर्व महापौर प्रभात साहू की विशेष उपस्थिति रही। रसल चौक, बराट रोड समदड़िया होटल के समीप स्थित क्लिनिक के शुभारंभ अवसर पर वरिष्ठ ऑडियोलॉजिस्ट व स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट डॉ. विशाल मेहरा,अविनाश पवार, एमडी एंड सीईओ डब्ल्यू एस ऑडियोलॉजी, किशलय चक्रवर्ती, बिजनेस हेड सिग्निया, अक्षय गुप्ता असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट हिअर डॉट कॉम, मोहन स्वामी हेड ऑडियोलॉजिस्ट डबल्यू ऑडियोलॉजी, प्रोफेसर डॉ. श्रीनिवास दौरासला, ईएनटी सर्जन और प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट के साथ ग्लोडेट यूनिवर्सिटी की फॉर्मर प्रोफेसर डॉ. संयोक्ता जायसवाल और वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लीनिक की एमडी डॉ सोनल मेहरा मौजूद रहीं।

पुलिस ने बड़े नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया; मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विभिन्न राज्यों में छापेमारी में 2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नकली कृषि रसायन ज़ब्त

जबलपुर। तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है - जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है। ये नकली रसायन, हालांकि असली ब्रांड की तरह पैक किए जाते हैं, लेकिन अक्सर उनके हानिकारक या अप्रभावी अवयवों के कारण फसल को नुकसान पहुंचाते हैं जिसके कारण पैदावार कम होती है। नवीनतम गिरफ्तारी से कई राज्यों में फैली नकली कृषि रसायनों की आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण रूप से बाधा उत्पन्न होने की उम्मीद है। चेचानी पर आरोप है कि वह सात साल से भी ज़्यादा समय से इस तरह का एक जटिल अवैध व्यापार और अवैध नेटवर्क चला रहा है, जो भारत के 11 से ज़्यादा राज्यों में फैले अपने सहयोगियों के जरिए पूरे भारत में नकली कीटनाशकों का निर्माण और वितरण करता है। उसने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में काम करने वाले सहयोगियों के एक बड़े नेटवर्क के ज़रिए प्रतिष्ठित एग्रोकेमिकल कंपनियों के लेबल वाले नकली उत्पाद सप्लाई किए। जांच में पता चला कि चेचानी की बस्सी में माहेश्वरी बीज एवं कीटनाशक नाम से एक दुकान भी है। वह कथित तौर पर देश भर में विभिन्न उल्लंघनकर्ताओं को पैकेजिंग सामग्री और तैयार नकली उत्पादों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता था। यह गिरफ्तारी कीटनाशक अधिनियम के तहत एलबी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 831/2024 से हुई है। जुलाई 2024 में हैदराबाद में एक उल्लंघनकर्ता ई राजेश के गोदाम से नकली कीटनाशकों की खोज के बाद आगे की जांच में कई राज्यों में चेचानी के खिलाफ दर्ज कई आपराधिक मामलों का पता चला है, जो उसके ऑपरेशन की व्यापक पहुंच और बार-बार किए गए अपराधों को उजागर करता है।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा,में कक्षा छठवीं सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु आनलाईन आवेदन पत्र भरना प्रारंभ हो गया है। विद्यालय के प्राचार्य आदित्य प्रताप सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु पंजीयन प्रारंभ हो गया है। आवेदन आनलाईन किया जा सकेगा। आनलाईन आवेदन को जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। आवेदन आनलाईन निःशुल्क किया जा सकता है। चयन परीक्षा हेतु आवेदन करने की पात्रता उन विद्यार्थियों को ही है जो कि कटनी जिले में सत्र 2025-26 में कक्षा पांचवीं में अध्ययनरत हों एवं कटनी जिले में ही निवासी होंगे। चयन होने की स्थिति में विद्यार्थी का एवं पालक का कटनी जिले के निवास का प्रमाण (जो कि भारत सरकार द्वारा अधिसूचित हैं) देना अनिवार्य होगा। जो विद्यार्थी जिस विकासखण्ड के विद्यालय में अध्ययनरत हैं उसी विकासखण्ड का उल्लेख आवेदन पत्र में करेंगे। आवेदन पत्र में आवश्यक जानकारी सही एवं सावधानी पूर्वक भरेंगे। विद्यालय सरकारी या मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य है। वे ही विद्यार्थी आवेदन करने हेतु पात्र हैं जिनका जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 (दोनों दिनांक सम्मिलित करते हुए) के बीच हुआ हो।

अब करना होगा समर्पण, विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर किए गए निलंबित

देवगंवा राशन घोटाले के मास्टर माइंड सुरेंद्र पांडे की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा।

देवगंवा के बहुचर्चित राशन घोटाले में नामजद आरोपी सुरेंद्र पांडे की अग्रिम जमानत याचिका को न्यायालय ने सख्ती से खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपी पर गंभीर आर्थिक अपराध का आरोप है और प्रथम दृष्टया उसके विरुद्ध लगे आरोपों में दम है। अब पांडे को न्यायालय में समर्पण करना होगा, अन्यथा गिरफ्तारी तय मानी जा रही है।

क्या है पूरा मामला?

थाना भालूमाड़ा में अपराध क्रमांक 222/2025 के तहत दर्ज मामले के अनुसार, आरोपी सुरेंद्र पांडे द्वारा देवगंवा उचित मूल्य दुकान का संचालन अवैधानिक ढंग से किया जा रहा था। 5 मई को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी एवं सहकारिता निरीक्षक की संयुक्त जांच में भौतिक सत्यापन के दौरान दुकान से 39.3 क्विंटल गेहूं 112.07 क्विंटल चावल गायब पाया गया। इस खाद्यान्न की कुल कीमत 5,87,155.72 आँकी गई, जो गरीबों के लिए भेजे गए सरकारी राशन में खुली लूट का सबूत मानी गई। न्यायालय ने इस आपत्ति को सही मानते हुए अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

अब गिरफ्तारी की लटक रही तलवार है

अदालत के आदेश के बाद अब सुरेंद्र पांडे के पास समर्पण के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की टीम हरकत में आ गई है और जल्द ही उसकी गिरफ्तारी संभव मानी जा रही है।

गरीबों का राशन निगलने वालों को अब मिलेगी सज़ा

देवगंवा और कोतमा क्षेत्र में आम नागरिकों ने इस घटनाक्रम पर तीखी

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Jabalpur Virat Bhoomi.pdf - 01 Jun 2025 - Page 4

फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी, गबन सहित ईसी एक्ट की धाराओं के मामले नौ दिन बाद भी नहीं हुई प्रबंधन की गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। हमेशा ही गरीबों के राशन में हेरा फेरी एवं शासकीय योजनाओं का बंटाधार किए जाने को लेकर सुर्खियों में रहने वाले देवगंवा सोसायटी अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य की दुकान में 161 क्विंटल चावल एवं गेहूं कुल कीमती 5 लाख 87 हजार रुपए के गबन किए जाने के मामले में प्रबंधक एवं सेल्समैन सुरेंद्र पांडे के खिलाफ थाना भालूमाड़ा में फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी, गबन सहित ईसी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

फालोअप

पुलिस व विभाग की कार्यशैली से उठ रहे सवाल, मिलीभगत का ग्रामीण लगा रहे आरोप

हरिभूमि

गरीबों का निवाला छीनने वाले पीडीएस दुकान के प्रबंधक पर मामला दर्ज

इनका कहना है

प्रतिक्रिया दी है। हमें सालों से अधूरी राशन सामग्री दी जा रही थी। अब समझ में आया, राशन कहाँ जा रहा था। अगर कोर्ट ने सख्ती दिखाई है, तो पुलिस प्रशासन को भी अब जल्द गिरफ्तारी करनी चाहिए। यह सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं – पूरे सिस्टम की परीक्षा है! अगर अब भी प्रशासन ने ढिलाई बरती, तो जनता का विश्वास पूरी व्यवस्था से उठ जाएगा। सुरेंद्र पांडे सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, एक सिस्टम है – उसे गिराना जरूरी है। देवगंवा उचित मूल्य दुकान में हुए राशन घोटाले के मामले में विभागीय जांच ने बड़ा मोड़ ले लिया है।

आपूर्ति विभाग की जांच में आरोपी सुरेंद्र पांडे को दोषी पाए जाने के बाद, पद से निलंबित कर दिया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सुरेंद्र पांडे द्वारा संचालित देवगंवा उचित मूल्य दुकान मेंः यह स्पष्ट रूप से लोक वितरण प्रणाली में आर्थिक गड़बड़ी और सरकारी खाद्यान्न के गबन का मामला है। जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि आरोपी ने वितरण एवं भंडारण के नियमों का घोर उल्लंघन किया है तथा शासन की योजना में अनुचित लाभ उठाया।

निलंबन आदेश में क्या कहा गया है

जारी आदेश में कहा गया है कि "विभागीय जांच में प्रथम दृष्टया आर्थिक अनियमितता एवं जिम्मेदारी से चूक प्रमाणित होने के कारण सुरेंद्र पांडे को तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित किया जाता है। जांच लंबित रहने तक वह किसी भी शासकीय कार्य का संचालन नहीं करेगा।"

जमानत खारिज, अब गिरफ्तारी की बारी

पूर्व में आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को भी न्यायालय ने गंभीर अपराध की श्रेणी में मानते हुए खारिज कर दिया था। अब जबकि विभागीय स्तर पर भी दोष प्रमाणित हो गया है, तो प्रशासन की अगली कार्रवाई गिरफ्तारी मानी जा रही है।

रात के अंधेरे में बदमाशों ने कर्मचारी बंधक बनाकर चोरी करके ले गए ट्रांसफार्मर

सुरक्षा कर्मी सोते रहे, प्रबंधन की कार्यशैली पर उठ रहे हैं सवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले का कोतमा क्षेत्र कोयला उत्पादन के लिए नहीं, डकैती और लापरवाही के लिए जाना जा रहा है यहां अब सिर्फ खनन नहीं हो रहा, बल्कि व्यवस्था का कब्रिस्तान भी तैयार हो चुका है जहां पुलिस का लॉ एंड ऑर्डर दम तोड़ रहा है और प्रबंधन का जमीर पहले ही मर चुका है। बीती रात की वारदात ने साबित कर दिया कि इस क्षेत्र में अपराधी राजा हैं और कर्मचारी उनके सामने निरीह प्रजा एसईसीएल के पंखा घर में तैनात राममनोहर, जो सिर्फ ड्यूटी निभा रहा था, उसकी किस्मत में ऐसा मंजर लिखा था जो एक आम आदमी की कल्पना से परे है रात के सन्नाटे में अचानक 15-16 बदमाश ऐसे घुसे जैसे उन्हें किसी सुरक्षा की कोई परवाह ही नहीं चारों ओर से घेरकर कर्मचारी को पटक दिया, मोबाइल छीना और कोठरी में बंद कर दिया, ये कोई चोरी नहीं थी, ये थी पूरी प्लानिंग के साथ की गई डकैती थी। राममनोहर पूरी रात उस कोठरी में बंद रहा, ना खाना, ना पानी, ना मदद और उस दौरान बाहर अपराधी ट्रांसफॉर्मर तक उखाड़ ले गए सरकारी संपत्ति लुट गई, सिस्टम लुटता रहा, और पुलिस प्रशासन कुछ नही कर पाई। सुबह जब कर्मचारी किसी तरह बाहर निकला, तो नजारा ऐसा था जैसे

किसी युद्ध के बाद का मैदान, सामान बिखरा पड़ा, ट्रांसफॉर्मर गायब हो चुका था।

पुलिस ने घटना के बाद वही पुराना राग अलापा "जांच चल रही है", "जल्द कार्रवाई होगी, "अज्ञात लोगों की तलाश है" लेकिन सवाल यह है कि जब अपराधी योजनाबद्ध तरीके से घुसते हैं, कर्मचारियों को बंधक बनाते हैं, और घंटों लूट मचाते हैं, तब पुलिस कहां होती है, क्या गश्त सिर्फ फाइलों में होती है। खान प्रबंधन जिनके मातहत ये पूरा सिस्टम चलता है, वो सिर्फ प्रेस नोट में निंदा कर देने से मुक्त हो जाएंगे? सीसीटीवी हैं तो फुटेज कहां है, सुरक्षाकर्मी हैं तो सो क्यों रहे थे, या फिर सब कुछ पहले से तय था। जब कोई कर्मचारी ड्यूटी पर

होता है तो उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है। यह घटना केवल एक कर्मचारी पर हमला नहीं है, यह पूरे सरकारी सिस्टम पर हमला है यह उस लोकतंत्र की बेइज्जती है, जिसमें आम कर्मचारी भी सुरक्षित नहीं।

पंचायत में मनरेगा के नाम पर फर्जीवाड़ा, सरपंच ने भाभी के नाम पर भरवाई उपस्थिति, ग्रामीणों में आक्रोश

निष्पक्ष जाँच कर फर्जी भुगतान रोकने ग्रामीणों ने कलेक्टर से किया निवेदन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी करोड़ों लोगों को राहत देने वाली योजना एक बार फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती दिख रही है। जनपद पंचायत अनूपपुर की ग्राम पंचायत लतार में सरपंच पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उन्होंने अपनी भाभी दुर्गा रौतेल के नाम पर मस्टररोल में फर्जी हाजिरी दर्ज कर, सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है और खुलकर आरोप लगाए हैं कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही गड़बड़ियों की कड़ी है। सूत्रों के अनुसार दुर्गा रौतेल ने कभी कार्यस्थल पर हाजिरी नहीं दी, बावजूद इसके मस्टररोल में उनका नाम दर्ज कर भुगतान कराया गया। ग्रामीणों का दावा है कि यह "कागज़ी मजदूरी" का मामला है, जो मनरेगा की पारदर्शिता और जवाबदेही की धज्जियाँ उड़ाता है। ग्रामीणों का कहना है, "असली मजदूरों को काम नहीं मिलता, और सरपंच अपने लोगों को लाभ पहुंचा रहे हैं। पंचायत में यह आम बात हो गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पंचायत में परिवारवाद हावी है। सरपंच अपने करीबी रिश्तेदारों को फर्जी तरीके से लाभ दिलवा रहे हैं, जबकि जरूरतमंद ग्रामीण बेरोजगार घूम रहे हैं।

जब रोजगार सहायक नरेश लहरे से इस बाबत पूछा गया तो उन्होंने सफाई दी कि, "महिला के पति ही काम पर गए थे, लेकिन उनके पास खाता नहीं था इसलिए पत्नी के नाम से भुगतान किया गया।" हालांकि यह सफाई मनरेगा के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं मानी जा सकती, क्योंकि योजना में नाम और उपस्थिति की सटीकता अनिवार्य है। गांव के दर्जनों लोगों ने कलेक्टर और जनपद सीईओ से अपील की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो, और जब तक जांच पूरी न हो फर्जी नामों पर किया गया भुगतान रोका जाए। मनरेगा भारत सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत हर ग्रामीण परिवार को साल में 100 दिन का रोजगार मिलना सुनिश्चित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य बेरोजगारी को कम करना और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है। लतार पंचायत में सामने आया यह मामला एक गंभीर चेतावनी है कि नीचे के स्तर पर योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता पर गहरी नजर डालने की जरूरत है। अगर ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो मनरेगा जैसी योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहेंगी, और जिनके लिए ये बनी हैं, वे खाली हाथ ही रह जाएंगे।

जिले में फैल रही नशीली गोली व दवाइयों की महक

बिना पर्ची बिक रही दवाइयां, जिम्मेदार विभाग बेपरवाह

मुनाफे के लिए युवाओं को बना रहे नशेड़ी

जिले मे महंगे शराब की जगह पर सिरप और गोलियों का उपयोग आम हो चला है। आदतन नशा करने वाले युवाओं को मेडिकल संचालक भी बिना पर्ची और चिकित्सक के परामर्श के बगैर ही अपने मुनाफे को ध्यान में रखकर ऐसी दवाईयां धड़ल्ले से बेच रहे हैं। चिकित्सकों का मानना है कि जिन दवाओं का उपयोग चिकित्सा क्षेत्र में भी बहुत ही सोच समझकर किया जाता है उसका इस्तेमाल आसानी से किया जाना अपने हाथों से मौत को आमंत्रित किए जाने के समान है। पुलिस और खाद्य एवं औषधि विभाग ने मेडिकल दुकानों की जांच कर ऐसी दवाईयों का जखीरा बरामद नहीं कर सका, जिसका उपयोग युवा वर्ग नशे के लिए करने लगे हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

जिले की हवाओं में नशीली गोलियां व दवाइयों की धीमी मौत की महक कुछ ज्यादा ही आ रही है। जिम्मेदार जानकर भी अंजान बन रहे हैं। जिले में इस समय युवा पीढ़ी खतरनाक तरह से नशे में लिप्त है। माता पिता अपने बच्चों

को पालने पोसने में एवं शिक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ते क्योंकि उन्हें अपने बच्चों से बहुत आशाएं रहती हैं और एक बड़ी आशा के साथ अपना तन मन व धन न्यौछावर कर अपने बच्चों के भविष्य को बनाने के लिए समर्पित कर देते हैं। नशाखोरों ने बदबूदार शराब से निजात पाने का आसान विकल्प गोलियों और सिरप के तौर पर खोज लिया है। खांसी के लिए कोरेक्स और बेनाड्रिल नाम की दवाईयों का उपयोग किया जाता है लेकिन चिकित्सक के बिना परामर्श के इन दवाईयों का वितरण भी प्रतिबंधित है। चिकित्सकों के मुताबिक इन सिरप में अल्कोहल की मात्रा होती है और कफ को काटने के लिए सिरप में अल्कोहल का मिश्रण किया जाता है, जिसके चलते ही उम्र के लिहाज से सिरप की मात्रा बताई जाती है पर इन सारी बातों को दरकिनार करते हुए युवा वर्ग न केवल युवक बल्कि युवतियों में भी नशे की आदत बढ़ते जा रही है।

इन दवाओं को ले रहे युवा

चिकित्सकों के मुताबिक नाइट्रोवेट, विलियम 10, डाइजेपाम, एल्प्राजोलम, एल्जोलाम, विलीयम 5, पेक्सम, काम्पोस, मारफिन इन्सुलिन और कई ऐसी दवाईयां है, जिन्हें विक्रय तभी किया जाता है, जब कोई चिकित्सक उसके परामर्श दे, लेकिन यहां किसी भी मेडिकल स्टोर्स में बिना डॉक्टर्स की पर्ची से मिल जाता है। इसके अलावा शहर के साथ- साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे और नींद के लिए सीरप जैसे कोरेक्स, फैंसिडिल, फेनार्गन, बेनाड्रिल, टोसेक्स आदि का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा महानगरों की तर्ज पर स्टेशनरी दुकान में बिकने वाला व्हाईटनर और पंक्चर बनाने वाला साल्यूशन आदि का उपयोग भी धड़ल्ले से नशे के लिए किया जा रहा है। एलप्रेक्स ट्राइका, एटीवान, लोराजीपाम, रिवोट्रील क्लोनाजीपाम ऐसी दवाएं हैं, जिनका उपयोग नशे के लिए किया जाने लगा है। इन दवाओं को ज्यादातर नींद न आना, दर्द और तनाव को दूर करने वाले मरीज को दिया जाता है। लोग इन दवाओं को अपनी सहूलियत के लिए तो लेते हैं, साथ ही इनका प्रचार-प्रसार करने से भी पीछे नहीं हटते। जिससे इनका सेवन करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

फोर्टविन इंजेक्शन भी ले रहे

नशे के लिए फोर्टविन इंजेक्शन का इस्तेमाल करने की बात भी सामने आई है। यह इंजेक्शन डॉक्टर मरीजों का दर्द ठीक करने के लिए उपयोग करते हैं। इस दर्द निवारक इंजेक्शन का उपयोग गलत तरीके से किया जा रहा है। बिना डॉक्टर के लिखे यह दवा किसी को भी उपलब्ध नहीं कराई जा सकती। हालांकि इस नियम का शायद ही कहीं पालन होता है। कभी भी इस तरह की दवाई आसानी से दवा दुकानों से मिल जाती है। नशे की शुरूआत युवाओं में एक गोली से होती है। धीरे-धीरे इनकी संख्या 50-60 तक पहुंच जाती है। युवा इस नशे को पहले शौकिया तौर पर करते हैं, फिर लत बन जाती है। युवाओं को इन दवाओं का नशा करने से बचना चाहिए।

पंक्चर ट्यूब का भी चलन

बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन और खाली मैदानों में कचरा बीनने वाले बच्चे पंक्चर साल्यूशन को रूमाल में लगाकर मुंह से सांस लेते हैं, जिन्हें रोजाना देखा जा सकता है। अधिकांश मेडिकल स्टोर्स में बिना अनुमति के न सिर्फ ऐसी नशीली दवाईयों को रखा जा रहा है, बल्कि चोरी- छिपे सही पर युवा वर्ग के हाथों में थमा दिया जा रहा है। नशे के लिए लोग पंक्चर के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ट्यूब का इस्तेमाल करते हैं। नशेडियों के लिए यह बहुत ही सस्ती चीज है और साइकिल दुकान में आसानी से मिल जाती है। इसके लिए दुकानदार खरीददार से कोई वजह भी नहीं पूछता और न ही खरीददार को बताना पड़ता है कि उसे ट्यूब किस काम के लिए चाहिए। नशा का यह माध्यम बहुत ही सस्ता है। इसका इस्तेमाल कूड़ा बीनने वाले, भिखारी, साईकिल रिक्शा चालक, स्कूली छात्र ज्यादातर करते दिखाई देते हैं।

यूं पड़ती है नशे की लत

कई बार बच्चों को समय न देना या जरूरत से अधिक सुविधाएं देना भी नशे का कारण बन सकता है। बच्चों के बीच आधुनिक वातावरण, परीक्षा में क्षमता से अधिक परिणाम की उम्मीद करना उन्हें नशे की राह पर ले जाता है। इस लत से बचाने के लिए अभिभावकों को अपने बच्चों को ज्यादा से ज्यादा समय देना चाहिए। स्टूडेंट एग्जाम के पहले नींद न आने की वजह से करते हैं दवा का उपयोग। इन दवाओं में हैं स्मेल न आने वाला नशा, इसलिए बढ़ रहा चलन। एक दिन में एक गोली से शुरूआत और फिर धीरे-धीरे 50 से 60 गोली लेने लगते हैं। याददाश्त कमजोर हो जाती है। यह नशा मानसिक रोगी बना देता है। यह लीवर और किडनी के लिए भी खतरनाक है।